# तेरी मुरली पे जाऊँ बलिहार रसिया ...

तेरी मुरली पे जाऊँ बलिहार रसिया
मैं तो नाचूँगी तेरे दरबार रसिया ।।

नई नवेली मैं बिरज में आई
तेरी सुरतिया मोरे मन भाई
तेरे चरनन में प्रीत लगाई रसिया ... ।।1।।

लोक लाज सब छोड़ के आई
तेरे मिलन की आस लगाई
मैं तो कर सोलह श्रृंगार रसिया ... ।।2।।

जसोदा मैया मेरी सास लगत हैं
बलदाऊ जी मेरे जेठ लगत हैं
अब तू ही मेरो भरतार रसिया ... ।।3।।

लाल चुनरिया मैंने सीस पे धारी
मोतियन सों मैंने माँग संवारी
अब मोरे संग ब्याह रचाले रसिया ... ।।4।।

http://www.govindbhargav.in